वनवासी कल्याण केन्द्र का मुख पत्र

वर्ष : 17 ◆◆◆ मई – जून – जूलाई – 2018 ◆◆◆ अंक : 37

जनजाति विधिक सहायता केन्द्र, विचार गोष्ठी, राँची

वनवासी कल्याण केन्द्र झारखंड के तत्वाधान में जनजाति विधिक सहायता केन्द्र द्वारा सीसीएल के विचार मंच सभागार में पत्थलगड़ी की वैधानिक स्थिति व भूमि अधिग्रहण बिल का सामाजिक प्रभाव विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस विचार संगोष्ठी का मुख्य अतिथि श्री डी. भरत कुमार (राष्ट्रीय महामंत्री, अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद एवं अधिवक्ता उच्चतम न्यायालय), विशिष्ट अतिथि श्री अरूण कुमार सिन्हा (अधिवक्ता उच्चतम न्यायालय) तथा वनवासी कल्याण केन्द्र के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. एच.पी. नारायण एवं श्री पी.आर. दास (सेवानिवृत न्यायाधीश) ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डी भरत कुमार ने कहा कि खूंटी में पांच महिलाओं के साथ जो हुआ, उसकी जितनी निंदा हो वह कम है, जो लोग उस क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाने जा रहे हैं, उनका व्यवहार ऐसा हो, जिससे लोग उन्हें अपने बीच का समझें, यदि उसी टोले-मोहल्ले के हों, तो बेहतर होगा। ऐसे लोग बेहतर तरीके से अपने गांव के लोगों को समझा सकते हैं।

रांची जिला बार एसोसिएशन के महासचिव संजय विद्रोही ने कहा कि पत्थलगड़ी आदिवासियों की परंपरा है लेकिन जागरूकता के अभाव में इसने हिंसक रूप ले लिया है। कुछ लोग भारतीय संविधान का हवाला देकर खुद का शासन चलाने की घोषणा कर रहे हैं, जो गलत है।

श्री पी.आर. दास ने कहा कि खूंटी में पत्थलगड़ी के नाम पर जो कुछ हो रहा है, उसे किसी भी रूप में सही नहीं ठहराया जा सकता। देश में किसी भी जगह, किसी एक व्यक्ति के चाहने से वह सरकार से ऊपर नहीं हो सकता है। देश में कानून से बढ़कर कोई नहीं है। इसे जल्द से जल्द रोकने की जरूरत है। राज्य सरकार को लोगों को जागरूकता करने के लिए कई जरूरी कदम उठाने होंगे।

सुप्रीम कोर्ट के वकील वरूण कुमार सिन्हा ने कहा कि झारखण्ड में उद्योग लगाने की कई संभावनाएं हैं।

इसके लिए भूमि अधिग्रहण आवश्यक है।

सीसीएल के सीएमडी गोपाल सिंह ने कहा कि जब हम विकास की बात करते हैं, तो इसमें सबका साथ सबका विकास का सिद्धांत लेकर चलना होगा। श्री सिंह ने कहा कि भारत युवाओं का देश कहलाता है। इसलिए युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में रोजगार उपलब्ध कराना होगा। इसके लिए उद्योग जरूरी है। उद्योग लगेंगे तो रोजगार मिलेंगा।

प्रांत अध्यक्ष डॉ. एच.पी. नारायण ने कहा कि खूंटी में फैले अंधकार को दूर करने के लिए हमें लाठी नहीं बल्कि दीया जलाने की आवश्यकता है। इस कार्य में जनजाति विधिक सहायता केन्द्र का महत्वपूर्ण रोल होगा। कार्यक्रम को रामकृष्ण तिवारी, शंकर टोप्पो, लक्ष्मण कुमार, डॉ. सुखी उरांव, आदर्श, शर्मिला सोरेन ने संबोधित किया।

सभी अतिथियों का स्वागत भाषण अधिवक्ता श्री रामकृष्ण तिवारी जी ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्री सत्येन्द सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री संतोष कुमार सिन्हा ने किया।

सिल्ली में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के नए भवन का उद्घाटन

सरस्वती शिशु मंदिर की शिक्षा पद्धति से मानवीय मूल्यों का विकास होता है। यहाँ शिक्षा के साथ विद्यार्थियों में संस्कार, देश प्रेम एवं चरित्र निर्माण पर विशेष बल दिया जाता है। आज सरकारी स्कूलों में जिस तरह की व्यवस्था है उसके आधार पर समूचित शिक्षा व छात्रों के सर्वांगीण विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है। ऐसे हालात में सरस्वती शिशु मंदिर जैसे विद्यालयों को प्रोत्साहित किए जाने की आवश्यकता है। यह बातें झारखण्ड विधानसभा के अध्यक्ष प्रो. दिनेश उरांव ने कही। वे सोमवार को सरस्वती शिशु मंदिर, सिल्ली के नए भवन का उद्घाटन करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने कहा कि आज शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण से स्थिति भयवाह हो गई है। मानवीय मूल्यों में गिरावट आई है। आज गुरू शिष्य परंपरा को बचाए रखने की जरूरत है। वर्तमान समय में देश को सरस्वती शिशु मंदिरों की शिक्षा पद्धति की जरूरत है।

समारोह को वनवासी कल्याण केन्द्र के झारखण्ड प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन सिंह मुण्डा एवं श्रीहरि वनवासी विकास समिति के प्रदेश सचिव दीनदयाल शर्मा एवं विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष राजा पुष्पेन्द्र नाथ सिंहदेव ने भी संबोधित किया। समारोह की अध्यक्षता पुष्पेन्द्रनाथ सिंहदेव ने की। समारोह में विधानसभा अध्यक्ष दिनेश उरांव ने जमीनदाता व विद्यालय के अध्यक्ष राजा पुष्पेन्द्र नाथ को उनके सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया। संचालन विद्यालय के उपाध्यक्ष रतनलाल महतो एवं विष्णु गिरी ने किया।

इस अवसर पर जिप सदस्य गौतम कृष्ण साहु, वीणा देवी, प्रमुख रेखा देवी, उप प्रमुख प्रफुल कुमार, गूंज परिवार के अध्यक्ष सुनील सिंह, मुखिया सीमा कुमारी, माला देवी, सांसद प्रतिनिधि रघुवीर प्रसाद, बीस सूत्री अध्यक्ष प्रो. ललित प्रसाद, सुशील महतो, कृष्णा कुमार, उदय कुमार, कंचन सोनार, विजय कुशवाहा, गुड्डू मिश्रा, कुंज बिहारी अग्रवाल, गोपाल केडिया, ठाकुर दास महतो, राजेश साहु, प्रधानाचार्य दशरथ महतो, जोबा दास, प्रतिमा देवी, रीता देवी, लक्ष्मी देवी, अरूणा कुमारी, अनिमा कुमारी, गुंजन कुमारी, कल्पना देवी, वर्षा आदि उपस्थित थे।

निर्माण कोचिंग की उपलब्धि

दिनांक 10.07.2018 को वनवासी कल्याण केन्द्र, झारखण्ड द्वारा संचालित 'निर्माण' नि:शुल्क कोचिंग (UPSC/JPSC) में पढ़ने वाले 40 छात्र-छात्राओं में से 4 विद्यार्थियों का झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा पुलिस अवर निरीक्षक प्रतियोगिता परीक्षा में चयनित होने पर सम्मानित किया गया। शिवम कुमार (रांची), रंजीत कुमार (रांची), सुमित टोप्पो (रांची), प्रशांत हेम्ब्रम (धनबाद) को प्रांत उपाध्यक्ष डॉ. सुखी उरांव एवं श्री मोहन सिंह मुण्डा तथा श्रीमती कुमुद शरण जी ने (उपाध्यक्ष, रांची महानगर समिति) मोमेंटम देकर सम्मानित किया। इन सभी छात्रों को वनवासी कल्याण केन्द्र ने उज्जवल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर प्रणय दत्त, बी.एन.झा, मेघा उरांव, संजय यादव, विकाश शर्मा, संजीव जेराई आदि उपस्थित थे।

ऊंगलियों में छिपा है स्वास्थ्य का राज

सुरभि डेस्क, प्रभात खबर

अंगूठा (Thumb) – हाथ का अंगूठा से दिल से जुड़ा होता है। यदि कभी अचानक से आपके दिल की धड़कन तेज हो जाये, अपने एक हाथ से दूसरे हाथ के अंगूठे का मसाज करें, खासतौर से ऊपरी भाग की। फिर उसे हल्का सा खींचे। आपकी हृदय गति शीघ्र सामान्य हो जायेगी।

तर्जनी (Fore Finger) – तर्जनी ऊंगली सीधे तौर पर हमारी आंत से जुड़ी होती है और आंत का संबंध हमारे गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल ट्रेक्ट से होता है। अगर आपके पेट में दर्द है तो इसे उंगली का हल्के से मसाज करने पर आपको आराम मिल जायेगा और पेट का दर्द भी खत्म हो जायेगा।

मध्यमा (Middle Finger) – मध्यमा यानि हमारे हाथ के बीच की ऊंगली परिसंचरण तंत्र से जुड़ी होती है। चक्कर या मिचली आने पर इस ऊंगली की मालिश करने से राहत महसूस होती है।

अनामिका (Ring Finger) – इस ऊंगली का संबंध हमारी मनोदशा से होता है। जब कभी भी आपका मूड खराब हों या आप लो फील कर रहे हों, तो इस ऊंगली को अल्का सा मसाज करें। आपका मूड तुरंत ठीक हो जायेगा।

कनिष्ठा (Little Finger) – आपके हाथ की सबसे छोटी ऊंगली कनिष्ठा का संबंध किडनी और सिर के साथ होता है। यदि आपको सिर में तेज दर्द हो तो इस ऊंगली को हल्का सा दबाएं और गोलाई में मसाज करें। आपका सिर दर्द तुरंत में गायब हो जायेगा।

अंग्रेजों के खिलाफ स्वतंत्रता सेनानी शहीद बख्तर साय एवं मुंडल सिंह – लहरू सिंह, सिमडेगा

छोटानागपुर के इतिहास के अनुसार यहाँ बसने वाले राजपूत, भुईयां, खेरवार, चेरो, खड़िया, मुण्डा, भोगता, रौतिया जाति में कई वीर महापुरूष पैदा हुए। वे लोग लड़ने-भीड़ने साहसिक कार्य करने में आगे थे। वैसे ही शहीद द्वेय बख्तर साय एवं मुंडल सिंह का जन्म 17वी शताब्दी में रौतिया जाति के जमींदार घराने में हुआ था। बख्तर साय का जन्म गुमला जिला के रायडीह प्रखण्ड नवागढ़ के वासुदेव कोना में और मुंडल सिंह का जन्म गुमला जिला के पनारीगढ़ के जमींदार घर में हुआ था। दोनों वीरों का लालन-पालन शिक्षा-दीक्षा जमींदारी व्यवस्था के अनुसार हुआ। दोनों ही वीर युद्ध कला एवं जमींदारी संभालने में निपुण थे।

समय के अनुसार बख्तर साय एवं मुंडल सिंह अपना-अपना जमींदारी संभाला। उस समय चुटिया नागपुर के महाराजा इन्द्रजीत शाहदेव हुआ करते थे। वे ईस्ट इंडिया कम्पनी अंग्रेजी हुकुमत के अधीन हो चुके थे। उसी समय अंग्रेजों का फरमान महाराजा को मिल चुका था। महाराजा अंग्रेज हुकुम को प्रजा में प्रचारित कर दिया कि सभी रैयत को जमीन का मालगुजारी अंग्रेज हुकुमत को देना होगा। इस सूचना पर पनारी एवं नवागढ़ परगना के पाहन वैगा पूजार भंडारी महतो एवं परगनैतों का एक बैठक हुआ। बैठक में अंग्रेजी नीति का विरोध करने एवं लगान नहीं देने का निर्णय हुआ। अंगेजी हुकुमत के आदेशानुसार महारजा ने अपने तहसीलदार हिरा राम सिंह को लगान वसुल करने के लिए नवागढ़ भेजा। नवागढ़ के जमींदार बख्तर साय ने तलवार से तहसीलदार का सिर कलम कर अपने नौकरों से सिर महाराजा के पास भेजवा दिया। इधर बख्तर साय का कार्य और हिम्मत की सूचना मुंडल सिंह को मिली उन्होंने भी अपने जमींदारी में सभी रैयतों को ललकारा एवं अंग्रेजों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। लगान नहीं देने से अंग्रेजों का नींद हराम हो गया। अंग्रेज बख्तर साय एवं मुंडल सिंह को गिरफ्तार करने का फरमान जारी किया। तत्कालीन लेफ्टीनेंट डोनाल्ड सिपाही लेकर गिरफ्तार करने गया और गुमला के बगल सिलम गांव में डेरा डाला और नवागढ़ में हमला बोला। तीन दिनों तक युद्ध हुआ अंग्रेज सिपाही भारी संख्या में हताहत हुए। लेफ्टीनेंट डोनाल्ड जान बचाकार भागा। अंग्रेजों को हार बेइज्जती लगा इसलिए कुछ दिन बाद पूरी तैयारी के साथ दानापुर, गया, मिदनापुर के एक हजार योद्धा सैनिकों को चुनकर तत्कालीन कमान्डेंट आर मार्क इ. रेफ्रीरीज के प्रतिनिधित्व में बख्तर साय के विरूध युद्ध के लिए सेना भेजा। इधर मुंडल सिंह भी 500 पहलवानों के साथ बख्तर साय के सहयोग में पहुंचा। भारी युद्ध, परम्परागत हथियार एवं आधुनिक हथियार के कारण बख्तर साय एवं मुंडल सिंह कमजोर पड़ने लगे तब उन्होंने कुछ पहलवानों के साथ सुरक्षित स्थान गढ़पहाड़

के किले में सुरक्षित रहने लगे इसकी सूचना अंग्रेजों को मिली तो वहाँ भी धावा बोल दिया। शहीद देव पहाड़ के ऊपर बड़ा-बड़ा पत्थर (टूकू) को बुढ़ीलप रस्सी से बांध कर रखे थे एक मात्र रास्ता में जब अंग्रेज सैनिक ऊपर चढ़ते शहीद द्वेय रस्सी काट कर पत्थर नीचे गिरा देते तो अंग्रेज सिपाही ही पत्थर से पिस कर मरने लगे, खून की धारा बहने लगी। अंग्रेज पहाड़ पर चढ़ने का हिम्मत नहीं जुटा पाए। जहां पर खून बहा था आज भी रक्तदोहर है। आज भी देखा जा सकता है।

अंग्रेज कूट-नीति चाल चले बख्तर साय एवं मुंडल सिंह को जिंदा या मुर्दा पकड़ने वाले को दो सौ रूपया ईनाम की घोषणा हुई। अंग्रेजों के किला में आपूर्ति होने वाले जल श्रोत एवं रसद को रोकने का योजना बनाया। जहां से बांस ढोंधी (पाइप) किले पर जलापूर्ति होता था जल श्रोत पर अंग्रेज गाय काटकर जल को दूषित एंव अपवित्र कर दिया। उसी समय जयपुर महाराजा रंजीत सिंह का संदेश प्राप्त हुआ वे दोनों वीर जयपुर के लिए रवाना हुए। अंग्रेज छल एवं धोखे से 23 मार्च 1812 को बख्तर साय एवं मुंडल सिंह को गिरफ्तार कर लिया। जयपुर से गुमला, टोरी, चंदवा, हजारीबाग होते हुए कलकता पैदल ले जाया गया और दिनांक 04 अप्रैल 1812 को फॉर्ट विलियम कलकता में फांसी दे दिया गया। दोनों वीर शहीद हंसते-हंसते फांसी का फंदा को चून लिये। उस समय वे क्रमशः 40 एवं 42 वर्ष के थे।

दोनों स्वतंत्रता सेनानी को सरकार के द्वारा अभी तक स्वतंत्रता सेनानी घोषित नहीं किया गया है। मूल रूप से 1857 ई. से आजादी की लड़ाई मानी गयी है किन्तु उसके पूर्व भी कई वीर सपूतों ने अंग्रेजों के विरूद्ध आजादी की लड़ाई लड़ते-लड़ते प्राण न्योछावर कर दिया है। उन्हें भी स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा और मान सम्मान मिलना चाहिए। उनके जीवनी से हमें प्रेरणा लेना चाहिए।

मेधा दूध के सौजन्य से विद्यासागर मे खेल उपकरणों का वितरण

दिनांकः- 6 मई 2018 को गिरि वनवासी कल्याण परिषद, दुमका के तत्वधान में चल रहे तीरंदाजी प्रशिक्षण केन्द्र, विद्यासागर, जामताड़ा में मेधा दूध के सौजन्य से प्राप्त तीर धनुष एवं अन्य उपकरणों का वितरण किया गया। इस अवसर पर सभी युवा वनवासी बच्चों को दुमका जिला तीरंदाजी संघ के तीरंदाजी योग्य प्रशिक्षण श्री मोहन साह (एन.आई.एस) एवं देवीधन टुडु के द्वारा प्रशिक्षण भी दिया गया। राष्ट्रीय स्कूल तीरंदाजी प्रतियोगिता, मणिपुर में भाग ले चुके 12 वर्षीय पहाड़िया जनजाति के राहुल कुमार सिंह भी उपस्थित थे। झारखण्ड तीरंदाजी संघ के उपाध्यक्ष सह दुमका तीरंदाजी संघ के सचिव ई.कृष्ण नन्दन सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्द्धन किया। उन्होंने जामताड़ा जिला तीरंदाजी संघ के गठन की भी घोषणा की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पर्षद की पूर्व अध्यक्षा श्रीमति अमिता रक्षित थीं। उन्होंने तीरंदाजी प्रशिक्षण केन्द्र को हर समय सहयोग करते रहने का आश्वासन दिया। क्षेत्रीय खेल-कूद प्रमुख श्री जितेन्द्र जी ने इस खेल छात्रावास के संचालन में सभी के सहयोग की अपेक्षा की। इस अवसर पर श्री रामजी पाल, श्री डोमन चन्द्र महतो, श्री सुशील मराण्डी, श्री विश्वजीत चटर्जी और अन्य गणमान्य लोगो ने मेधा दूध द्वारा खिलाड़ियों के लिए किये जा रहे कार्यो की प्रशंसा की।

प्रांतीय घोष प्रशिक्षण वर्ग, बसिया

प्रांतीय घोष प्रशिक्षण वर्ग दिनांक 05.05.2018 से 08.05.2018 तक विवेकानन्द शिशु विद्या मंदिर, बसिया में आयोजित किया गया। इस वर्ग का उद्घाटन विद्यालय सचिव श्री सुनील कुमार ने माँ भारती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर सचिव ने कहा कि विद्यालय शिक्षा का केन्द्र है। जहाँ शिशुओं को विभिन्न प्रकार की शिक्षा दी जाती है। भैया/बहनों के अर्न्तनिहित शक्तियों को कार्यक्रमों के द्वारा बाहर निकालने का कार्य होता है। घोष के प्रशिक्षण से गायन एवं वादन की शैली विकसित होती है। पढ़ाई के साथ-साथ अन्य प्रकार के विद्याओं के ज्ञान की प्राप्ति भैया/बहनों को आचार्यो के द्वारा प्राप्त होता है। जिसके प्रकाश से समाज को नया जीवन मिलता है। इस वर्ग में 18 विद्यालयों से कुल 128 भैया/बहनें एवं आचार्य शामिल हुए।

वर्ग का समापन 08.05.2018 को मंत्री श्रीहरि वनवासी

विकास समिति के श्री दीनदयाल शर्मा एवं श्री नवीन परमार जी के द्वारा संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर श्री नंदलाल षांडगी, श्री शिवचरण उराँव (प्रशिक्षक घोष), सुभाष चन्द्र दुबे, अभय चौधरी, नरेश कुमार रंजीत चौधरी, जगमोहन बड़ाईक, गोपाल लाल, प्रकाश कुमार सहित अनेक व्यक्ति उपस्थित थे।

वंदना सह गीत प्रशिक्षण, गुमला

श्रीहरि वनवासी विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय वन्दना सह गीत प्रशिक्षण वर्ग सरस्वती शिशु मंदिर, शिवनगर, गुमला में सम्पन्न हुआ। यह वर्ग 14.04.2018 से 16.04.2018 तक चला। इस वर्ग में कुल 107 प्रशिक्षणार्थी भैया/बहनें एवं आचार्या/आचार्ये ने भाग लिया। कुल 20 विद्यालय की सहभागिता इस वर्ग में रही। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री सत्यनारायण झा संगीत शिक्षक, गुमला के द्वारा माँ सरस्वती व भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वन्दना आध्यात्मिक विकास के लिए प्रभावी साधन है। वंदना सभा को ऐसा बनाया जाय जिससे भैया/बहनों के हृदय में पवित्रता, शांति एवं भक्ति भावना सहज रुप से जागृत हो। विद्यालय में संगीत एवं कला का वातावरण निर्माण हो इससे प्रसन्नता, आनंद एवं उल्लास भरा रहता है, इस दिशा में शिशु मंदिर का प्रयास सराहनीय है।

समापन सत्र में सुभाष चन्द्र दुबे 'संभाग-निरीक्षक' ने संबोधित करते हुए कहा कि- विद्यालय के सम्पूर्ण वातावरण में भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिकता का झलकनी चाहिए। विद्यालय साज-सज्जा, शिष्टाचार, भाषा, रीति-नीति, परम्परा में, वेश-भूषा, व्यवहार आदि से ओत-प्रोत होनी चाहिए। कार्यक्रम में जगमोहन बड़ाईक, विजय सिंह (शिक्षक), प्रेमशील रविन्द्र सिंह सहित विभिन्न विद्यालय के आचार्य एवं भैया/बहनें उपस्थित थे।

आचार्य, सामाजिक परिवर्तन की धुरी है – मा. सौम्या जुल्लु जी

नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग दिनांक 14.05.2018 से 20.05.2018 तक नवडीहा सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर में आयोजित किया गया। इस वर्ग में कुल 30 विद्यालयों से (29 पुरुष एवं 38 महिला) कुल 67 आचार्यो की उपस्थिति रही। वर्ग का उद्घाटन अखिल भारतीय सह शिक्षा प्रमुख श्री ब्रजमोहन मंडल जी ने किया। इस अवसर पर ब्रजमोहन मंडल जी ने शिशु मंदिर की योजना एवं कार्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिशु मंदिर बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ, उसके अन्दर देशभक्ति की भावना विकसित कर उसका प्रत्यक्ष संबंध इस देश की माटी से स्थापित करना है। बच्चों का सर्वांगीण विकास कर, इसके माध्यम से समाज के अन्दर प्रवेश कर अभिभावकों को जागृत कर जोड़ना अपने कार्य की विशेषता है। समाज निर्माण के कार्य में हम आगे बढ़ रहें हैं।

प्रशिक्षण वर्ग के समापन समारोह में मा. सौम्या जुल्लू जी ने कहा कि आचार्य सामाजिक परिवर्तन की धूरी है। एक प्रशिक्षित आचार्य ही संस्कार युक्त भैया/बहनों का निर्माण कर सकता है। आचार्य को अपने कार्यो के प्रति समर्पण होना एवं लगन, परिश्रम से निष्ठा पूर्वक कार्य करते रहना चाहिए। अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें, ताकि राष्ट्र को परम वैभवशाली बनाय जा सके।

प्रशिक्षण में वंदना, गीत, शारीरिक के अभ्यास के साथ-साथ हिन्दी, गणित शिक्षण, पाठयोजना, संगठन के उद्देश्य, संस्कारमय वातावरण, शिक्षण कला, आदर्श आचार्य की संकल्पना, जल-संरक्षण, वनवासी कल्याण आश्रम के कार्य, राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ, आचार्य के गुण आदि विषयों पर सत्रों में चर्चा हुई।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मा. कृपा प्रसाद सिंह जी, श्री दीनदयाल शर्मा जी, श्री जयशंकर राय जी, श्री सच्चिदानंद अग्रवाल जी, श्री अजय सिंह जी, श्री सुभाष चन्द्र दुबे, श्री जगमोहन बड़ाईक सहित अनेक बंधुओं ने प्रशिक्षण-वर्ग में अपने-अपने विषयों को रखा।

क्षेत्रीय स्तर का संगठित ग्राम प्रशिक्षण वर्ग दिनांक 18–20 मई 2018, लोहरदगा

क्षेत्रीय स्तर का संगठित ग्राम प्रशिक्षण वर्ग 18 से 20 मई 2018 को वनवासी कल्याण केन्द्र लोहरदगा के परिसर में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में झारखण्ड से 72 पुरूष एवं 14 महिलाएं और बिहार से 26 पुरूष एवं 4 महिलाएं कुल 116 (98 पुरूष+18 महिला) प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे। इस अवसर पर अखिल भारतीय मार्गदर्शक मा. सोम्या जुल्लू, मा. कृपा प्रसाद सिंह (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), श्री बीरबल सिंह (अ.भा. लोककला प्रमुख), श्री विन्देश्वर प्रसाद (अ.भा. ग्राम विकास प्रमुख), श्री ब्रजमोहन मंडल (अ.भा. सह शिक्षा प्रमुख) इस वर्ग में पूरे समय तक उपस्थित रहकर मार्गदर्शन प्रदान किए। इसके अलावे प्रशिक्षणार्थियों को श्री हीरेन्द्र सिन्हा (क्षेत्र संगठन मंत्री), श्री महरंग उराँव (सह क्षेत्र संगठन मंत्री), श्री अजय कु. सिंह (क्षेत्रीय जनजाति हित रक्षा प्रमुख), श्री राघव राणा (प्रांत ग्राम विकास प्रमुख) जी का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। पूरे समय तक प्रशिक्षण के अवधि में संगठित ग्राम पत्रक के आधार पर प्रशिक्षण दिया गया। इस वर्ग में जो भी प्रतिनिधि आए वे संभाग स्तरीय, जिला स्तरीय एवं मंडल स्तरीय संगठित ग्राम प्रशिक्षण वर्ग में उपस्थित रहकर प्रशिक्षण की योजना बनाकर प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देंगे।

प्रांतीय प्रचार–प्रसार प्रमुखों की बैठक–दिनांक 2, 3 जून 2018, मुम्बई

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के तत्वाधान में प्रांतीय प्रचार-प्रसार प्रमुखों का अभ्यास वर्ग-मुम्बई में 2 से 3 जून 2018 को महाराष्ट्रा हाईस्कूल, दादर (मुम्बई) में सम्पन्न हुआ। इस वर्ग में पत्रिका संपादक, सोशल एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया तथा पत्रिका प्रकाशन कार्य से जुड़े देश भर से (20 राज्यों) 57 कार्यकर्ता जिसमें 16 महिलाएं उपस्थित थी। वनवासी कल्याण आश्रम का कार्य जनजाति समाज के बीच सेवा के माध्यम से क्या-क्या कार्य राष्ट्रहित में हो रहे मीडिया में भी जाना चाहिए।

इस अवसर पर रामभाऊ प्रबोधनी के महानिदेशक मा. रविन्द्र माधव साठे, अ.भा. संगठन मंत्री मा. अतुल जोग, अ.भा. प्रचार-प्रसार प्रमुख मा. प्रमोद पेठकर, श्री उमेश जी, श्री प्रमोद बापट, श्री मिलिन्द राव, पदमश्री निर्मला ताई आपटे जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। झारखण्ड से श्री तुलसी प्रसाद गुप्ता, श्री महेश मुण्डा उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस सह ग्रामोत्सव

दिनांक 5 जून 2018 को गढ़वा जिला के बरकुल गांव में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्रामोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा. जगदेवराम उरांव, राज्यसभा सांसद श्री समीर उरांव, सत्येन्द्र सिंह, रामजी उरांव, कैलाश उरांव, गौतम कुमार (बी.डी.ओ., बड़गड़), अमित भगत (बी.डी.ओ., रामगढ़) ने पौधा रोपण किया। इस अवसर पर सभी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पर्यावरण के संरक्षण के लिए मार्ग दर्शन किये। उपस्थित लोगों के मनोरंजन के लिए झारखण्ड कला संस्कृति मंत्रालय की श्रीमती सुषमा नाग के नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति हुई। जिसमें स्थानीय कलाकारों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

रमेशचन्द्र चेरिटेबल ट्रस्ट, दिल्ली द्वारा वस्त्र वितरण

दिनांक 19.06.2018 को वनवासी कल्याण केन्द्र, झारखण्ड द्वारा संचालित निश्चिंतपुर संच, सोनुवा, जिला-प. सिंहभूम के तीन एकल विद्यालय अर्जूनपुर, काशीबाड़ी और रेंगालबेड़ा के छात्र-छात्राओं को रमेशचन्द्र चेरिटेबल ट्रस्ट, दिल्ली के सौजन्य से 108 बच्चों के बीच पैंट-शर्ट का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में श्री कामेश्वर साहु (प्रांतीय सह एकल विद्यालय योजना प्रमुख), ग्राम प्रमुख श्री कार्तिक महतो (अर्जूनपुर), श्री राधेश्याम मेलगंडी (काशीबाड़ी), श्री रोइदास पुर्ती (रेंगालबेड़ा), जिला संगठन मंत्री श्री नवदीप महतो, बरंगा संच के संच प्रमुख श्री जयराम मांझी, आचार्या श्रीमती रिता महतो (अर्जूनपुर), श्रीमती मुनी पुर्ती (रेंगालबेड़ा), श्रीमती सुलोचना देवी (काशीबाड़ी) एवं ग्रामवासी भी उपस्थित थे।

प्रतिभा सम्मान समारोह, राँची

दिनांक 23 जून 2018 को राँची में वनवासी कल्याण केन्द्र झारखंड से सम्बद्ध श्रीहरि वनवासी विकास समिति द्वारा संचालित औपचारिक विद्यालयों के मैट्रीक बोर्ड 2018 में 85 प्रतिशत से ऊपर प्राप्तांक वाले प्रतिभाशाली 32 विद्यार्थियों का सम्मान पौराणिक गाथाओं वाली पुस्तक और शिल्ड देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधिविद्य परिषद के अध्यक्ष श्री अरविन्द सिंह जी थे। इस अवसर पर कक्षा पंचम एवं अष्टम में प्रांतीय स्तर पर आयोजित मेधावी छात्र प्रतियोगिता परीक्षा में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः 1500/-, 1000/- एवं 500/- रूपये तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में देवव्रत पाहन, राज्यसभा सांसद समीर उरांव, डी.डी. शर्मा, सतीशचन्द्र भार्गव, ब्रजमोहन मंडल, डॉ. सुखी उरांव, मोहन सिंह मुण्डा आदि उपस्थित थे।

सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन

दिनांक 22 जून 2018 को वनवासी कल्याण केन्द्र लोहरदगा में सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन मा. सुर्दशन भगत, केन्द्रिय राज्यमंत्री, झारखण्ड राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष मा. संजय सेठ एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मा. कृपा प्रसाद सिंह जी के करकमलो द्वारा किया गया। इस सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र को खादी ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा 25 सिलाई मशीनें दी गई हैं। महिलाओं को स्वरोजगार की दिशा में जोड़ने का एक प्रयास है।

सक्षम झारखण्ड कौशल विकास प्रशिक्षण योजना

वनवासी कल्याण केन्द्र, झारखण्ड द्वारा स्वरोजगार एवं आर्थिक विकास के लिए राज्य के 550 ग्रामों में 1254 स्वयं सहायता समूह चला रहा है। समूह के माध्यम से लगभग 80 हजार लोगों को आर्थिक लाभ मिल रहा है। 250 समूह के द्वारा विभिन्न बैंकों से लोन लेकर विभिन्न प्रकार के आर्थिक विकास के कार्य- कृषि, सब्जी की खेती, बागवानी, पशुपालन, वनोत्पाद एवं लघु उद्योग-चावल मील, बांस निर्मित फर्नीचर, तसर उद्योग, पत्तल उद्योग, ईंट उद्योग तथा किराना दूकान, टेन्ट साउण्ड की दूकान, जन वितरण की दूकान, झाड़ू उद्योग, मुख्यमंत्री दाल भात का होटल, धान की खरीद बिक्री आदि प्रकार के कार्य किये जा रहे हैं।

कौशल विकास प्रशिक्षण योजना के तहत्- नामकूम, रांची में चरखा सूत काटने का प्रशिक्षण, वनवासी कल्याण केन्द्र, लोहरदगा में सिलाई ट्रेड में आधुनिकता ''मार्डन रेडिमेड गारमेंटस'' प्रशिक्षण केन्द्र झारखण्ड राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के सहयोग से प्रारम्भ किया गया है। भविष्य में उक्त दोनों केन्द्रों में सूत कत्ताई, कपड़े की बुनाई एवं रेडिमेड कपड़े की सिलाई तथा मार्केटिंग की व्यवस्था खड़ी करने की योजना है। आगामी योजना में अगाशे प्रशिक्षण भवन ग्राम-पुगु-गुमला में कम्प्यूटर प्रशिक्षण शीघ्र प्रारम्भ करने की योजना है।

क्षेत्रीय महिला प्रशिक्षण वर्ग-लोहरदगा

क्षेत्रीय महिला प्रशिक्षण वर्ग दिनांक 1-3 जून 2018 को वनवासी कल्याण केन्द्र, लोहरदगा के परिसर में सम्पन्न हुआ। अखिल भारतीय मा. कृपा प्रसाद सिंह (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), मा. प्रकाश काले (अ.भा. व्यवस्था प्रमुख), श्रीमती माधवी जोशी (अ.भा. महिला प्रमुख), सुश्री वीणापाणि दास शर्मा (अ.भा. सह महिला प्रमुख) इस वर्ग में पूरे समय तक उपस्थित रहकर मार्गदर्शन प्रदान किए। इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को श्री हीरेन्द्र सिन्हा (क्षेत्र

संगठन मंत्री), श्री प्रणय दत्त (क्षेत्रीय नगरीय प्रमुख), श्री राघव राणा (प्रांत ग्राम विकास प्रमुख), सुश्री सुलेखा कुमारी (क्षेत्रीय महिला प्रमुख), सुश्री ललिता कुमारी (प्रांत महिला प्रमुख), श्रीमती फुदो देवी जी का भी महिलाओं के बीच में संगठन के कार्यों के बारे में जानकारी दी।

इस प्रशिक्षण वर्ग में झारखण्ड के 18 जिलें और बिहार के 5 जिलें से कुल 70 महिलाएं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

'जाति प्रमाण पत्र के मामले में मा. मुख्यमंत्री जी को ज्ञापन'

वनवासी कल्याण केन्द्र के प्रतिनिधियों ने कहा कि राज्य में जाति प्रमाण पत्र देने में उच्चतम न्यायालय के आदेश का उल्लंघन किया जा रहा है। इस मामले को लेकर वनवासी कल्याण केन्द्र का एक प्रतिनिधि मंडल मा. मुख्यमंत्री रघुवर दास से मिला और उन्हें वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया। प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व संगठन के महामंत्री रिझू कच्छप जी ने किया।

प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि अंचल कार्यालय से तथ्यों को जांचे बिना ही सिर्फ खतियान में उल्लेखित जाति के आधार पर ही प्रमाण पत्र निर्गत किया जा रहा है। जबकि उच्चतम न्यायालय ने यह निर्णय दिया है कि किसी व्यक्ति को संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश, 1950 के परिक्षेत्र के भीतर लाए जाने के पहले उसे जनजाति से संबंधित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि कोई धर्मांतरण के कारण या किसी अन्य कारण से रूढ़िगत विधियों और परंपराओं का पालन नहीं करता है, तो उसे जनजाति का सदस्य स्वीकार नहीं किया जा सकता है। रिझू कच्छप ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि किसी व्यक्ति का जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने के पहले उनके द्वारा जातिगत रूढ़ियों एवं परंपराओं का पालन किया जा रहा है या नहीं, इसकी जांच होनी चाहिए। प्रतिनिधि मंडल में श्री संग्राम बेसरा, डॉ. सुखी उरांव, संदीप उरांव, मोहन सिंह मुंडा एवं रिझू कच्छप जी उपस्थित थे।

रोहतासगढ़ तीर्थ यात्रा, बिहार

उरांव जनजाति का रोहतासगढ़ तीर्थ यात्रा एक पवित्र धाम है। इस पवित्र धाम में श्रद्धा पूर्वक हजारो-हजारों की संख्या में विभिन्न राज्यों से सम्मिलित होकर अपनी धर्म-संस्कृति-परम्परा-रीति-रिवाज को बनाये रखने के लिए रोहतासगढ़ तीर्थ यात्रा का आयोजन होता है। इस आयोजन को सफलता पूर्वक संचालन हेतु बिहार प्रांत के अग्रसेन भवन, पटना में एक बैठक सम्पन हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष मा. जगदेवराम उराँव जी के मार्गदर्शन में श्री संदीप उराँव जी को राष्ट्रीय रोहतासगढ़ तीर्थ यात्रा के अध्यक्ष घोषित किया गया। साथ ही साथ संचालन समिति का भी निर्माण किया गया। जो इस प्रकार है :-

संरक्षक – श्री गणेश राम भगत, पूर्व मंत्री, छत्तीसगढ़, मार्गदर्शक-श्री महरंग उरांव, सदस्य **झारखण्ड**- श्री सत्येन्द्र सिंह, श्री रामजी उरांव, श्री कैलाश उरांव, मुन्नी उरांव, श्री रविन्द्र उरांव, श्री सुरेश उरांव, श्रीमती फुदो भगत, श्रीमती आरती कुजूर, श्री चैतु उरांव, श्री लक्ष्मीनारायण भगत, श्री सागर उरांव, श्री रिझू कच्छप, डॉ. सुखी उरांव। **छतीसगढ़**- श्री देवनन्दन सिंह, श्री भीखराम भगत, श्री करण साय। **मध्य प्रदेश**- श्रीमती सावन्ती भगत, श्री जुगेश्वर भगत। **बंगाल**- श्री अनिल उरांव, श्री गोविन्द कुजूर। **असम**- श्री जुगेश्वर उरांव। **बिहार**- श्री काशीनाथ उरांव, श्री मायाराम उरांव।

251 विशाल नि:शुल्क चिकित्सा शिविर–सज्जन सर्राफ, उपाध्यक्ष

नर सेवा नारायण सेवा के भाव को लेकर नगरवासी-ग्रामवासी की अवधारणा को जनजाति समाज में व्याप्त कुपोषण को दूर करने के लिए चिकित्सा के माध्यम से वनवासी कल्याण केन्द्र राँची महानगर समिति द्वारा प्रत्येक माह में चिकित्सा शिविर का आयोजन करता है। इसी कड़ी में रविवार को बीसा गांव में 251वॉ नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया। इस शिविर का उद्घाटन महानगर अध्यक्ष मा. सज्जन सर्राफ, बीसा के मुखिया श्री मानेश्वर मुण्डा व ग्राम प्रधान उमेश कुमार बड़ाईक ने किया। शिविर में नेत्र, हड्डी व स्त्री रोग सहित आम बिमारी से

पीड़ित कुल 546 मरीजों की जांच कर नि:शुल्क दवा दी गई। शिविर में गरीब व असहाय वृद्धो के बीच साड़ी व धोती का वितरण किया। साथ ही मैट्रिक परीक्षा में प्रथम आनेवाले छात्राओं को सलवार सूट दिया गया। उपस्थित मरीजों का जांच सदर अस्पताल रांची के उपाधीक्षक डॉ. ए.के. झा, डॉ. मुरली मनीष, डॉ. पी.डी. सिंह, डॉ. नीलम सक्सेना, डॉ. राजशीला सिंह, डॉ. उमेश प्रसाद जयसवाल, डॉ. उषा पाण्डे, डॉ. संदीप अग्रवाल, डॉ. रश्मि प्रसाद, डॉ. नदीम, डॉ. कश्मीरा जिलानी, डॉ. अमर कुमार, डॉ. अर्चना, डॉ. विनोद दास, डॉ. सी.एस. पी. वैश्य, डॉ. कुमार सौरव, डॉ. अभिषेक विश्वकर्मा, डॉ. जयदीप कुमार चौधरी, डॉ. संजीव कुमार ने की। शिविर में जांच के लिए बीसा, बेती, टुंगरी टोली, गेतलसूद, बनादाग, बलोरा, कडरू टोली, नया टोली के जनजाति मरीज पहुँचे थे। इस अवसर पर सी.सी.एल. के चैयरमेन श्री गोपाल सिंह, किशोरी लाल चौधरी, प्रणय दत्त, सेवाराम महतो, राजेन्द्र साही मुण्डा, कमलाकांत मुण्डा, सत्यदेव मुण्डा, बरतु भोक्ता, संजय भोक्ता, हर्ष भोक्ता, बन्नू बेदिया, कार्तिक बेदिया, विजय मुण्डा, विजय केशरी, सीताराम पोद्दार, बी.एन.झा, के.पी. शर्मा, काशी प्रसाद टिबड़ेवाल, बेनी प्रसाद, परशुराम कोरिया, निरंजन सर्राफ, हीरेन्द्र सिन्हा, रिझू कच्छप, डॉ. सुखी उरांव, सुरेश चौधरी, विनय मोदी, प्रभु सिंह, इन्द्र जुल्का, संजय केडिया, सनत सिन्हा आदि उपस्थित थे।

क्र.	शिविर क्रमांक	तिथि	स्थान	प्रखण्ड	जिला	रोगी संख्या	दानदाता का नाम
1	249	22.04.18	हातुदामी	खूंटी	खूंटी	325	श्री अजय कुमार छाबड़ा अपर बाजार, राँची
2	250	27.05.18	चिनारो (पुरियो)	ईटकी	राँची	317	पूज्य पिताजी स्व. डेडराज बगड़िया एवं माताजी स्व. गिन्नी देवी बगड़िया की पूण्य स्मृति में श्री दिनेश बगड़िया जी, राँची
3	251	01.07.18	बीसा	अनगड़ा	राँची	546	पूज्य पिताजी स्व. चन्दगीराम चौधरी जी की पूण्य स्मृति में श्री किशोरीलाल जी चौधरी, राँची
4	252	29.07.18	सीजुआ	बेड़ो	राँची	252	मेसर्स के. पाण्डेय एण्ड कम्पनी, राँची द्वारा

बिरसा नेत्रालय, लोहरदगा:-

क्र.सं.	माह	तिथि	ऑपरेशन	जाँच
1	अप्रैल	08.04.2018	58	178
2	मई	29.04.2018	45	82
3	जून	17.06.2018	34	138
		कुल	**137**	**398**

जनजाति समाज प्रकृति पूजक है – मा. सुदर्शन भगत, केंद्रीय राज्य मंत्री

वनवासी कल्याण केन्द्र, झारखण्ड के प्रांत मुख्यालय परिसर आरोग्य भवन-1, बरियातु रोड, राँची में सरहूल मिलन समारोह का आयोजन बड़ी ही धूम-धाम के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री सुदर्शन भगत जी ने कहा कि सरहूल पर्व जनजाति क्षेत्रों में चैत्र तृतीया से प्रारंभ होता है। पर्व-त्योहार जनजातियों में मनाने की एक महान परम्परा है। जनजाति समाज प्रकृति पूजक है और सनातनी हिन्दू है। जनजातियों में जन्म से लेकर मरण तक के संस्कार एवं सभी पर्व-त्योहार प्रकृति के साथ जुड़ा हुआ है।

श्री समीर उराँव ने कहा कि सृष्टि कर्ता को हम धर्मेश, सिंगबोंगा के नाम से जानते हैं वहीं प्रकृति को बनाते हैं और हम उस शक्ति की उपासना पर्व-त्योहार के रूप में करते हैं। हमारे पूर्वजों ने उसी के आधार पर पर्व-त्योहार बनाया है।

मुख्य वक्ता श्री रविशंकर जी ने कहा कि सरहूल हमारी धरती माता को समर्पित पर्व है। सरहूल झारखण्ड की गौरवशाली परम्परा, संस्कार एवं संस्कृति का प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। भारत उत्सवों की मलिका है। जन्म देनेवाली मां के समान ही धरती हमारी माता है। धरती माता हमें अन्न, जल और हवा जीवन जीने के लिए देती है।

मा. सुदर्शन भगत समारोह को संबोधित करते हुए तथा मंच पर श्रीमती आरती कुजूर, डॉ. एच.पी. नारायण, मा. जगलाल पाहन, मा. रविशंकर जी एवं मा. समीर उरांव, सांसद।

श्री सी.पी. सिंह ने कहा कि सरहूल हमें अच्छी वर्षा हो, सभी सुखी रहे, अच्छी फसल हो इसकी कामना करते हैं। कुछ तत्व देश को अंदर-अंदर सनातन परम्परा को तोड़ने एवं मिटाने का काम कर रहा है।

डॉ. एच. पी. नारायण जी ने कहा कि सरहूल में हम धरती, आकाश, जल, वायु, अग्नि की पूजा करते हैं और यह सनातन परम्परा है।

श्री जगलाल पाहन जी ने कहा कि झारखण्ड के तमाम क्षेत्रों में प्रकृति की पूजा जनजाति समाज के लोग सरहूल के रूप में करते हैं।

श्री जेठा नाग जी ने कहा कि सरहूल में सरई फूल का विशेष महत्व है। बैगा-पाहन बिना पोथी-पतरा के ही भविष्यवाणी करता है कि इस वर्ष कितना बारिस होगा? फसल कैसा होगा? पाहनों का भविष्यवाणी सत्य साबित होता है।

सरहूल मिलन में लापुंग के नृत्यमंडलियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। सनातन सोरेन और मुसाफिर विश्वकर्मा धर्म-संस्कृति-प्रकृति आधारित एकल गीत प्रस्तुत किया। अतिथियों ने राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी प्रियंका कच्छप और लक्ष्मी कुमारी को शॉल देकर सम्मानित किया। दोनों खिलाड़ी कांके प्रखण्ड के हलदमा गांव की रहनेवाली है। इस अवसर पर 52 बैगा-पाहन एवं 10 समाजिक कार्यकर्ताओं को अंग वस्त्र देकर अतिथियों ने स्वागत किया साथ हीं नृत्य मंडलियों के सभी सदस्यों को साड़ी-धोती, दरी और बाल्टी देकर सम्मानित किया।

खूंटी कोचांग की घटना के विरोध में महिला मंच, राँची द्वारा धरना

जनजाति समाज की महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार के खिलाफ राजभवन के समक्ष महिला मंच, वनवासी कल्याण केन्द्र, रांची द्वारा एक दिवसीय धरना का कार्यक्रम 13 जुलाई 2018 को सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी। धरने को संबोधित करते हुए श्रीमती बॉबी नाग ने कहा कि कोचांग में जो घटना हुई उसकी जितनी भी निंदा की जाय वह कम होगी। बालात्कारियों को अविलंब फांसी की सजा

मिलनी चाहिए। कार्यक्रम को नूतन पाहन, सुषमा मुण्डा, रीता मुण्डा, रूपलक्ष्मी मुण्डा ने भी संबोधित किया। इस धरने में प्रभा टोपनो, प्रतिभा गोयल, ममता सिन्हा, पिंकी खोया, संगीता दत्त, शंकुतला मुण्डा, माधुरी सोरेन, पौलमी चक्रवर्ती, मोहन सिंह मुण्डा, सज्जन सर्राफ, तुलसी महतो, बी.एन. झा, इन्द्र कुमार जुल्का, कुसिया मुण्डा, संजय यादव, जादो उरांव, देवकी मुण्डा, सुनील सिंह, संतोष सिन्हा, प्रणय दत्त, विजय केशरी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अन्त में राज्यपाल महोदया को श्रीमती बॉबी नाग के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा।

जनजाति प्रबुद्ध वर्ग एवं सामाजिक युवा नेताओं की मीडिया से संबंधित कार्यशाला, 15 जुलाई 2018, दिल्ली

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के तत्वाधान में जनजाति समाज को अपनी विशिष्ट पहचान बनाये रखने के लिए जनजाति प्रबुद्ध वर्ग एवं मीडिया से संबंधित संवाद कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उदेश्य मीडिया में अपनी बात को अच्छी तरह कैसे रखना एवं प्रदर्शन करना। इसके लिए पहले से विषय की तैयारी एवं अध्ययन की आवश्यकता है। कार्यशाला में झारखण्ड, छतीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, उतराखण्ड, दिल्ली एवं आंध्र प्रदेश से 34 प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया। उपरोक्त कार्यशाला का मुख्य वक्ता मा. संबित पात्रा (केन्द्रीय प्रवक्ता-भाजपा), मा. हर्ष चौहान, मा. विष्णुकांत जी, ओरगनाईजर के संपादक मा. प्रफुल केतकर जी तथा लोकसभा एवं राज्यसभा के प्रमुख संवाददाता मा. राजकुमार जी का मार्गदर्शन सभी प्रतिनिधियों को प्राप्त हुआ। झारखण्ड से विधायक रामकुमार पाहन, शिवशंकर उरांव तथा राजकिशोर हांसदा, श्रीमती आरती कुजूर एवं संदीप उरांव जी उपस्थित थे।

ग्रामप्रधान को सम्मानित – शिकारी पाड़ा

शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के मलूटी पंचायत अंतर्गत फूलपहाड़ी गांव में गुरूवार की रात ईसाई धर्म प्रचारकों को बंधक बनाने के बाद उत्पन्न विवाद पर जनजाति राष्ट्रीय सुरक्षा मंच के सयोंजक डॉ. राजकिशोर हांसदा शनिवार को फूलपहाड़ी पहुंचे और वहां के ग्रामप्रधान रमेश मुर्मू को सम्मानित करते हुए बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर डॉ. राजकिशोर हांसदा ने कहा कि अपना धर्म मानने के लिए सभी स्वतंत्र हैं लेकिन जबरन धर्म परिवर्तन कराना अपराध है। उन्होंने गांव के ग्रामीणों से कहा कि वे किसी भी स्थिति में भयभीत नहीं हों। सरकार एवं प्रशासन ग्रामीणों के साथ है। इस अवसर पर दुमका प्रभारी अमर कुमार गुप्ता, एकल अभियान के जिला प्रभारी सुशील मराण डी, मनोहर हेम्ब्रम, जामताड़ा जिला शाखा के अर्जुन सोरेन तथा शिकारीपाड़ा प्रखण्ड 20 सूत्री अध्यक्ष श्याम मराण्डी मौजूद थे।

अखिल भारतीय नगरीय कार्यकर्त्ता बैठक–भाग्यनगर (हैदराबाद)

दिनांक 9,10 जून 2018 को अखिल भारतीय नगरीय कार्यकर्त्ता बैठक, भाग्यनगर (हैदराबाद) में सम्पन्न हुआ। इस दो दिवसीय बैठक में पूरे देश के नगरीय कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया। बैठक में देश भर से आये कार्यकर्त्ताओं ने अपने-अपने प्रांत में चल रहे नगरीय कार्य के बारे में जानकारी दिये। विभिन्न सत्रों में अलग-अलग पदाधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के मार्गदर्शक मा. सोमया जुलु जी, अखिल भारतीय नगरीय कार्य प्रमुख श्री शंकर लाल अग्रवाल जी, सह

प्रमुख श्री भगवान सहाय जी, मुंबई के श्री किशन लाल बंसल जी ने सभा को संबोधित किया।

इस बैठक में झारखण्ड से श्री सज्जन सर्राफ (प्रांतीय उपाध्यक्ष सह राँची महानगर अध्यक्ष), श्रीमती प्रतिभा गोयल (उपाध्यक्ष राँची महानगर समिति), श्री बी.एन. झा (महासचिव राँची महानगर समिति), श्रीमती रेणु प्रसाद (बोकारो महानगर महिला समिति), श्री प्रीत रंजन प्रसाद (बोकारो जिला संयोजक), प्रो. डॉ. परमानन्द प्रसाद सिंह (उपाध्यक्ष गिरि वनवासी कल्याण परिषद् सह अध्यक्ष दुमका नगर समिति), श्री प्रणय दत्त (क्षेत्रीय नगरीय प्रमुख), श्री विजय कुमार केशरी (प्रांत नगरीय कार्य प्रमुख) उपस्थित थे।

झारखण्ड के जिलावार अनुसूचित-जनजातियों (ST) की संख्या (2011)

क्र.सं.	जिला का नाम	कुल जनसंख्या (1)	अनुसूचित जनजाति (2)	जिला की कुल जनसंख्या में अनुसचित जनजाति
1	राँची	29,14,253	10,42,016	35.76
2	खूंटी	5,31,885	3,89,626	73.25
3	पलामू	19,39,869	1,81,208	9.34
4	गढ़वा	13,22,784	2,05,874	15.56
5	लोहरदगा	4,61,790	2,62,734	56.89
6	लातेहार	7,26,978	3,31,096	45.54
7	गुमला	10,25,213	7,06,754	68.94
8	सिमडेगा	5,99,578	4,24,407	70.78
9	प० सिंहभूम	15,02,338	10,11,293	67.31
10	सरायकेला-खरसावां	10,65,056	3,74,642	35.18
11	पूर्वी सिंहभूम	22,93,919	6,53,923	28.51
12	हजारीबाग	17,34,495	1,21,768	7.02
13	रामगढ़	9,49,443	2,01,166	21.19
14	चतरा	10,42,886	45,563	4.17
15	कोडरमा	7,16,259	6,903	0.96
16	धनबाद	26,84,487	2,33,119	8.68
17	गिरिडीह	24,45,474	2,38,188	9.74
18	बोकारो	20,62,330	2,55,626	12.39
19	दुमका	13,21,442	5,71,077	43.22
20	गोड्डा	13,13,551	2,79,208	21.26
21	पाकुड़	9,00,422	3,79,054	42.10
22	साहेबगंज	11,50,567	3,08,489	26.80
23	जामताड़ा	7,91,042	2,40,489	30.40
24	देवघर	14,92,073	1,80,962	12.13

श्रद्धांजलि

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम की अ.भा. कन्या छात्रावास प्रमुख सुश्री तापसी मैत्र (जन्म 1950) का आकस्मिक निधन दिनांक 19.03.2018 को प्रात: 7:00 बजे अस्पताल (रिम्स, राँची) ले जाने के क्रम में हो गया। इनका केन्द्र वनवासी कल्याण केन्द्र, राँची के कोठी नं.-35 में था। ये करीब 27 वर्षो तक जनजाति बहनों में शिक्षा, छात्रावास, महिला स्वयं सहायता समूह एवं महिला कार्यों को गति प्रदान की। वे अविवाहित रहकर समाज के लिए हमेशा समर्पित भाव से कार्य करती रही।

श्री वीरेन्द्र शर्मा (क्षेत्रीय अधिकारी) के पूज्य माता श्रीमती मंझारी देवी (उम्र 90), पति स्व. नागवंशी शर्मा का निधन दिनांक 22.05.2018 को अपने निवास स्थान लोहरदगा में हो गयी। उनके दो पुत्र (श्री वीरेन्द्र शर्मा एवं स्व. डॉ. सुरेन्द्र शर्मा) तथा दो पुत्री हैं। ईश्वर से प्रर्थाना है कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। वनवासी कल्याण केन्द्र, झारखण्ड की ओर से शत शत नमन।

संपादक : **तुलसी प्रसाद गुप्ता,** 9572685860, 8986716338
प्रकाशक : प्रचार-प्रसार एवं प्रकाशन विभाग व वनवासी कल्याण केन्द्र, 32, आरोग्य भवन-1, बरियातु रोड, राँची-834009
दूरभाष : 0651-2540594 टेली/फैक्स: 0651-2541360